



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 209] नई दिल्ली बुधवार, अप्रैल 27, 1994/वैशाख 7, 1916
No. 209] NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 27, 1994/VAISAKHA 7, 1916

[यत्न सत्रालय

(प्राशिक कार्य विभाग)

(टै. गा. दा. तथा निवेश प्रभाग)

प्रशिक्षण

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1994

ता. प्रा. 333 (अ).—केंद्रीय सरकार, बुधवार, गृह एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग, नई दिल्ली, द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एक्सचेंज' कहा गया है) प्रतिभूति संहिता (विनियमन) नियमावली, 1957 के नियम 7 के साथ पठित प्रतिभूति संहिता (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42वां) की धारा 3 के अन्तर्गत मान्यता के नवीकरण के लिए दिए गए आवेदन-पत्र पर विचार करने और उस बात से संतुष्ट होने के बाद, कि यह व्यापार के हित में तथा लोकहित में भी होगा, अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियमावली के नियम 7 के साथ पठित एक्टिंग एक्सचेंज की धारा 1 के अन्तर्गत 29 अप्रैल, 1994 से आरम्भ होने वाली और 28 अप्रैल, 1996 को समाप्त होने वाली दो वर्षों की अवधि के लिए, प्रति-

मूल्यों के संविदाओं के संबंध में ऐसी शर्तों के अधीन, यदि कोई हो, जिन्हें केन्द्रीय सरकार समय-समय पर लगाती है, मान्यता प्रदान करती है।

[एफ. नं. 1(8)/एस.ई./94]

पी. जे. नायक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(External Commercial Borrowings & Investment Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th April, 1994

S.O. 333(E).—The Central Government, having considered the application for renewal of recognition made under section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), read with rule 7 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 by the Ludhiana Stock Exchange Association Limited, Ludhiana (hereinafter referred to as the Exchange) and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in public interest and in exercise of the powers conferred by section 4 of the Act, read with rule 7 of the Rules, hereby grant recognition to the Exchange under section 4 of the Act for further period of two years commencing on the 29th day of April, 1994 and ending with the 28th day of April, 1996 in respect of contracts in securities, subject to such conditions, if any, as the Central Government may from time to time impose.

[F. N. 1/8/SE/94]

P. J. NAYAK, Jt. Secy.